जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 378 प्रभात बीकानेर, सोमवार 10 अगस्त, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

मोजतबा खामेनेई को जिन्दा दिखाने के लिये ईरान ने वीडियो जारी किया

इज़रायली मीडिया के खामेनेई की बेहद गंभीर हालत के दावे के बाद उनकी सेहत को लेकर चर्चाएं बढ़ गई थीं

तेहरान, 09 अगस्त। इजरायली मीडिया की खबरें हैं कि ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई की हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच तेहरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी मेहर ने बिना तारीख वाला एक वीडियो जारी किया जिसमें वे अच्छी सेहत में दिख रहे हैं।

मोजतबा खामेनेई का यह वीडियो पहली बार सरकार से जुड़ी अर्ध-सरकारी ईरानी समाचार एजेंसी मेहर ने जारी किया। इससे पहले शुक्रवार को इजरायली मीडिया ने खबर दी थी कि खामेनेई बेहद गंभीर हालत में हैं, जिससे उनकी सेहत और ठिकाने को लेकर अटकलें और बढ़ गईं।

■ पश्चिमी देशों से जुड़े सूत्रों के अनुसार ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान को गहरे रंग की खिड़कियों वाली गाड़ी में खामेनेई से मिलाया गया था। कहते हैं कि खामेनेई बताया जाने वाला व्यक्ति पहले से पिछली सीट पर बैठा था। दोनों को एक -दूसरे को देखने व हाथ मिलाने से सुरक्षाकर्मियों ने मना किया था।

खामेनेई ने, अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई के 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के संयुक्त सैन्य हमलों में मारे जाने के कुछ समय बाद सुप्रीम लीडर का पद संभाला था। पद संभालने के बाद से वे सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आए हैं और केवल लिखित बयानों के जरिए ही बातचीत की है।

खबरों में दावा किया गया है कि वे हमलों में घायल हो गए थे और तब से ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत के लिए बिचौलियों पर निर्भर हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने भी अनिश्चितता को और बढ़ा दिया। उन्होंने सरकारी टीवी पर एक इंटरव्यू में कहा कि इस समय खामेनेई से सीधे संपर्क करना बहुत मुश्किल है।

पश्चिमी और विपक्ष से जुड़े सूत्रों ने दावा किया है कि उन्हें गंभीर चोटें आई थीं और तब से वे बातचीत के लिए लिखित बयानों और बिचौलियों पर निर्भर हैं। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के मुताबिक, इससे पहले ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान को तेहरान में एक अज्ञात जगह पर ले जाया गया था, जहां उनकी मुलाकात एक ऐसे व्यक्ति से कराई गई जिसे सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई बताया गया।

इस मुलाकात की खबर ने ईरान के नए नेतृत्व से जुड़ी गोपनीयता पर और सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जाता है कि पेजेशकियान को गहरे रंग की खिड़कियों वाली एक गाड़ी की पिछली सीट पर ले जाया गया, जहां खामेनेई बताए जा रहे व्यक्ति पहले से ही बैठे थे।

रिपोर्ट के अनुसार, गाड़ी की खिड़कियां ढ की हुई थीं और सुरक्षाकर्मियों ने दोनों व्यक्तियों को एक-दूसरे को देखने या हाथ मिलाने से रोक दिया, जिससे वे केवल आवाज के जरिए ही बातचीत कर पाए।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि बाद में पेजेशकियान ने इस बात पर सवाल उठाया कि मुलाकात के दौरान उन्होंने जो आवाज सुनी, वह असल में नए सुप्रीम लीडर की ही थी या नहीं।

एटीएस ने टोंक में दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया

टोंक, 9 अगस्त। पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद से कनेक्शन जुड़े होने की संभावनाओं को लेकर प्रदेश की एटीएस और इंटेलिजेंस टीम ने टोंक शहर के दो युवकों को हिरासत में लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खुफिया एंजेसियों को सूचना मिली कि पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद का कनेक्शन शहर के दो संदिग्ध आरोपियों से है, जिसके बाद

■ पाकिस्तानी आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद से जुड़े होने की आशंका।

एटीएस टीम ने इनपुट के आधार पर ट्रेस कर दबिश देकर कुम्हारों की चौकी निवासी एक संदिग्ध को हिरासत में लिया है, जो धन्ना तलाई में ढ ाबा चलाता है।

एटीएस ने धन्ना तलाई निवासी बुरहान को भी हिरासत में लेकर आरोपियों के घरों पर दबिश दी। दोनों युवकों के बैंक अकाउंट संबंधी दस्तावेजों की जाचं की जा रही है तथा उनके एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक आदि भी जब्त किए गए हैं। एटीएस को आशंका है कि कहीं उनके खातों में पाकिस्तान से फंडिंग तो नहीं आ रही है। ऐसी कार्यवाही शहर में पूर्व में भी कई बार आतंकी संगठनों से कनेक्शन के मामले को लेकर की जा चुकी है।

केरल में राजकीय कार्यक्रमों से पहले वंदे मातरम् की दो पंक्तियां ही गाई जायेंगी

वंदे मातरम् पर केन्द्र के निर्देश और केरल सरकार के रुख से टकराव की स्थिति बनी

तिरुवनंतपुरम, 09 अगस्त। केरल में वंदे मातरम के पूरे गायन को लेकर विवाद गहरा गया है। स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने कहा है कि राज्य सरकार के कार्यक्रमों में पहले की तरह केवल शुरुआती दो पंक्तियां ही गाई जाएंगी। कांग्रेस सांसद राजमोहन उन्नीथन ने भी पूरे गायन का विरोध किया है।

यह विवाद मुख्य सचिव के उस पत्र के बाद सामने आया, जिसमें केंद्र सरकार के निर्देशों के अनुरूप वंदे मातरम के सामूहिक गायन की बात कही गई थी। वहीं, सीपीआई(एम) ने भी इस निर्देश को वापस लेने की मांग की है और राज्य सरकार पर आरएसएस के एजेंडे के आगे झुकने का आरोप लगाया है।

मुरलीधरन ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि राज्य सरकार के सभी कार्यक्रमों में पहले भी वंदे मातरम की केवल शुरुआती दो पंक्तियां ही गाई जाती रही हैं और आगे भी यही व्यवस्था जारी रहेगी। वहीं, कांग्रेस सांसद राजमोहन उन्नीथन ने

■ केरल के स्वास्थ्य मंत्री के.मुरलीधरन ने कहा कि राज्य सरकार के सभी कार्यक्रमों में पहले भी वंदे मातरम् की केवल शुरुआती दो पंक्तियां ही गाई जाती रही हैं और आगे भी यही व्यवस्था जारी रहेगी।

कहा कि केरल में इस जीवनकाल में वंदे मातरम का पूरा गायन नहीं होगा। एक टीवी चैनल से बातचीत में उन्होंने कहा कि उन्हें वंदे मातरम के पूरे गायन को लेकर मुख्य सचिव की ओर से किसी निर्देश की जानकारी नहीं है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका पूरा गायन नहीं किया जाएगा। उन्होंने यहां तक कहा, भले ही नरेंद्र मोदी हमें गोली मारने की धमकी दें, तब भी वंदे मातरम का पूरा गायन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मुरलीधरन और उन्नीथन की ये टिप्पणियां केरल के मुख्य सचिव विश्वनाथ सिन्हा की ओर से 6 अगस्त को जारी किए गए पत्र के बाद सामने आई हैं।

पत्र में कहा गया था कि "आजादी का अमृत महोत्सव" के तहत 2022 में शुरू किए गए अभियान के 2026 संस्करण को राष्ट्रगीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित देशव्यापी समारोह के तीसरे चरण के साथ जोड़ा गया है। इस पहल को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय कार्यान्वयन समिति ने मंजूरी दी थी।

निर्देश के अनुसार, इस अवधि के दौरान आयोजित होने वाले सभी प्रत्यक्ष कार्यक्रमों में वंदे मातरम का सामूहिक गायन और राष्ट्रीय ध्वज फहराना या प्रदर्शित करना शामिल होगा। इसके अलावा, डिजिटल भागीदारी हर घर तिरंगा पोर्टल के माध्यम से की जानी है। इसके तहत नागरिक तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी अपलोड कर सकते हैं।

रुस ने भारत को सीधे ट्रेन नेटवर्क का प्रस्ताव दिया

रुस की योजना है कि उसकी मालगाड़ियाँ तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान व पाकिस्तान होते हुए भारत पहुंचें

मॉस्को, 09 अगस्त। मध्य पूर्व में जारी सैन्य संघर्ष और समुद्री रास्तों पर बढ़ ते खतरों के बीच रूस ने एक ऐसा मास्टरप्लान सामने रखा है, जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार का पूरा नक्शा बदल सकता है। लाल सागर और मध्य पूर्व के समुद्री रास्तों में जहाजों पर मंडराते जोखिमों को देखते हुए रूस अब भारत और हिंद महासागर तक सीधी पहुंच बनाने के लिए जमीन पर रेल नेटवर्क बिछाने के विकल्प पर गंभीरता से विचार कर रहा है।

अगर यह महत्वाकांक्षी योजना धरातल पर उतरती है, तो रूस से चलने वाली मालगाड़ियां तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के रास्ते सीधे भारत तक पहुंच सकेंगी।

रूस के उप-प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने रूसी समाचार एजेंसी टीएएसएस को दिए एक इंटरव्यू में इस प्रस्तावित परियोजना से पर्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार को सुरक्षित रखने के लिए रूस को नए और वैकल्पिक रास्तों को खोजना ही होगा।

■ रुस के उपप्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने कहा कि इस रास्ते से समुद्री पायरेसी तथा सैन्य नाकेबंदी जैसे खतरों से पूरी तरह सुरक्षा मिलेगी तथा व्यापारिक जहाजों पर लगने वाला हफ्तों का समय बचेगा।

मरात खुसनुलिन ने कहा, "हिंद महासागर तक रेल लिंक की संभावनाओं को तलाशा जाना चाहिए। बोस्फोरस और होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े जोखिमों के कारण हमें वैकल्पिक रास्तों की जरूरत है। तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान से होकर गुजरने वाले मार्ग इसके विकल्प हो सकते हैं। भारत तक पहुंच प्रदान करने वाला कोई भी व्यावहारिक विकल्प हमें स्वीकार्य होगा।"

यह प्रस्तावित नेटवर्क धरातल पर लागू होने के बाद रूस और भारत के बीच बिना किसी समुद्री रुकावट के सीधा मालगाड़ी संपर्क स्थापित कर देगा।

रूस का यह प्रस्ताव अचानक नहीं आया है। इसके पीछे समुद्री रास्तों पर बढ़ ता अभूतपूर्व संकट है। काला सागर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हर घर तिरंगा' से जुड़ें व विकसित भारत का संकल्प दोहरायें

नई दिल्ली, 09 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील करते हुए कहा है कि विकसित भारत के निर्माण में

■ प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से अपील की।

योगदान देने के हमें सामूहिक संकल्प को दोहराना चाहिए। उन्होंने खुशी जाहिर की कि इस वर्ष के प्रयास वंदे मातरम को समर्पित हैं और वह भी ऐसे समय में जब हम इसकी 150वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा, हमारा तिरंगा हमारा गौरव है और राष्ट्र के लिए हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की प्रेरणा का निरंतर स्रोत है।

प्रधानमंत्री ने अपनी पोस्ट में संस्कृति मंत्रालय की अपील को साझा किया है। इसमें मंत्रालय ने अपील की है कि इस वर्ष इतिहास को अपनी तरह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एनर्जी ड्रिंक्स पर अजीबो गरीब हंगामा

एनर्जी ड्रिंक लेबल को लेकर पेय कंपनियों और फूड सेफ्टी रैगुलेटर में टकराव

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 9 अगस्त। सरकार के एक सूत्र के अनुसार भारत का फूड सेफ्टी रैगुलेटर (खाद्य सुरक्षा नियामक) ने कंपनियों की उस मांग को मानने से इनकार कर दिया है, जिसमें उन्होंने 'एनर्जी ड्रिंक' का लेबल हटाने के लिए दी गई 90 दिन की समय सीमा को बढ़ाकर एक साल करने की मांग की थी। इस फैसले से इस उद्योग पर असर पड़ेगा।

पेप्सिको, रेड बुल, मॉन्स्टर बैवरेज और अरबपति मुकेश अंबानी की रिलायंस का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फूड रैगुलेटर के साथ टकराव चल रहा है। यह टकराव शराब, पेय और खाद्य कंपनियों द्वारा अपने उत्पादों की लेबलिंग के तरीके पर सख्त नियम लागू होने के कारण हो रहा है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, फूड सेफ्टी एण्ड स्टैण्डर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) ने जुलाई में इन कंपनियों को चुपचाप 90 दिन का समय दिया था कि वे अधिक

■ पैप्सिको, रैड बुल, मॉन्स्टर बैवरेज और मुकेश अंबानी की रिलायंस आदि कंपनियों को 90 दिन में एनर्जी ड्रिंक लेबल हटाने होंगे।

■ इन कंपनियों ने लेबल हटाने के लिए एक साल का समय मांगा था। लेकिन फूड सेफ्टी रैगुलेटर ने सख्ती से इनकार कर दिया।

■ फूड सेफ्टी रैगुलेटर ने कहा, अधिक कैफीन वाले पेय पर "एनर्जी ड्रिंक" शब्द का इस्तेमाल नियमों का उल्लंघन है।

कैफीन वाले पेय पदार्थों से 'एनर्जी ड्रिंक' या ऐसा ही कोई दूसरा नाम हटा दें। एफएसएसएआई का कहना था एसे उत्पादों के लिए कोई भारतीय स्टैण्डर्ड नहीं हैं और इस शब्द का इस्तेमाल नियमों का उल्लंघन है।

यूरोमॉनिटर के अनुमान के अनुसार, भारत में एनर्जी ड्रिंक की खुदरा बिक्री हर साल 12.6 की दर से बढ़ रही है, जो अमेरिका और चीन से भी तेज है। 2018 से 2023 के बीच खुदरा बिक्री में हर साल लगभग 100 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और पिछले साल यह 90.7 करोड़ लीटर थी, लगभग 3 अरब से अधिक बोतलों या कैन।

सरकार के सूत्र ने कहा कि एफएसएसएआई समय सीमा बढ़ाने पर सहमत नहीं होगा, क्योंकि कई भारतीय राज्यों ने बताया है कि ऐसे पेय पदार्थों का मौजूदा स्टॉक 60 से 90 दिनों में बेचा जा सकता है। सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी, क्योंकि यह फैसला अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

उद्योग के तीन सूत्रों के अनुसार, पेय कंपनियों ने इस फैसले को लागू करने के लिए कम से कम एक साल का समय मांगा है, क्योंकि बाजार में उनके लाखों कैन या बोतलें मौजूद हैं या आयात किए गए कैन के उनके ऑर्डर अभी लंबित हैं।

सरकार के अधिकारी ने कहा, कंपनियों ने इन्हें एनर्जी ड्रिंक के रूप में लेबल करके नियमों का उल्लंघन किया है। उन्हें खुश होना चाहिए कि भारत उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं कर रहा है।

अधिकारी ने आगे कहा, उन्होंने एफएसएसएआई को यह नहीं बताया है कि किस राज्य में कितना स्टॉक पड़ा हुआ है, जबकि उन्हें ट्रेसेबिलिटी (उत्पाद का पता लगाने की क्षमता) सुनिश्चित करने के लिए इसे ट्रैक करना चाहिए था।"

उद्योग के सूत्रों ने कहा कि बड़ी मात्रा में स्टॉक होने के कारण अलग-अलग राज्यों में मौजूद स्टॉक का हिसाब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रविवार को 60.70 लाख कांवड़िये हरिद्वार से रवाना हुए

हरिद्वार, 09 अगस्त। अब डाक कांवड़ यात्रा पर रवाना होने वाले शिवभक्तों का उत्साह चरम पर है। इसके चलते हरिद्वार में आस्था का जनसैलाब देखने को मिल रहा है। 11वें दिन रविवार को शाम 6 बजे तक 60

■ अब तक हरिद्वार से 3 करोड़ 80 लाख शिवभक्त गंगाजल लेकर देश के विभिन्न राज्यों के लिये रवाना हुए हैं।

लाख 70 हजार शिवभक्तों ने हरकी पैड़ी और अन्य घाटों से पवित्र गंगाजल लेकर अपने-अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान किया।

मेला कंट्रोल रूम के अनुसार कांवड़ मेले के 11वें दिन रविवार को शाम 6 बजे तक 60 लाख 70 हजार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आईएसआई द्वारा शहजाद भट्टी मॉड्यूल के जरिये 15 अगस्त को दिल्ली में आतंकी वारदात की आशंका

दिल्ली पुलिस तथा सभी सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर, इंटरनेट मीडिया पर कड़ी नजर

नई दिल्ली, 09 अगस्त। स्वतंत्रता दिवस समारोह की सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस और तमाम केंद्रीय एजेंसियां अलर्ट पर हैं। अमृतसर पुलिस द्वारा पिछले हफ्ते गिरफ्तार किए गए पाकिस्तान समर्थित आईएसआई आतंकी मॉड्यूल के दिल्ली कनेक्शन सामने आने के बाद स्पेशल सेल ने सक्रियता और बढ़ा दी है। इंटरनेट मीडिया पर नजर रखी जा रही है।

पाकिस्तान से आने वाली कॉल्स पर नजर रखी जा रही है। मुखबिर को अलर्ट कर दिया गया है। सुरक्षा एजेंसियों को अंदेशा है कि आइएसआइ, शहजाद भट्टी माड्यूल का इस्तेमाल करके दहशत का माहौल पैदा करने के लिए 15 अगस्त से पहले दिल्ली में आतंकी वारदात करा सकती है।

पंजाब पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की संयुक्त पूछताछ में आतंकी वंश कुमार ने ऑपरेशन दिल्ली और जंतर-मंतर पर रची गई आतंकी साजिश का पर्दाफाश किया है। स्पेशल सेल सूत्रों के मुताबिक आतंकी देव सिंह ने विशाल उर्फ गंगू को दिल्ली जाने का निर्देश दिया था। यात्रा का खर्च उठाने के लिए एक स्थानीय दुकानदार के जरिए दो हजार की व्यवस्था की गई थी।

25 जुलाई की शाम अमृतसर रेलवे स्टेशन पर वंश कुमार, विशाल, रोहित, देव सिंह और सुखदीप सिंह एकत्र हुए थे। वहां से सभी ट्रेन में सवार होकर नई दिल्ली आ गए थे। नई दिल्ली से वे सभी सीधे जंतर-मंतर आ गए थे।

■ पंजाब पुलिस को गिरफ्तार आतंकी वंश कुमार से पूछताछ के दौरान जंतर-मंतर पर रची गई आतंकी साजिश तथा ऑपरेशन दिल्ली के बारे में जानकारी लगी थी। जंतर मंतर से ही एक हैंडलर ने सीधे पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं को फोन भी किया।

जंतर-मंतर पर उत्तर प्रदेश का रहने वाला एक अज्ञात संदिग्ध व्यक्ति (जिसे पाकिस्तानी हैंडलर ने भेजा था) इन आतंकियों से मिला था।

संदिग्ध व्यक्ति ने इन आतंकियों को आठ कांच की बोतलें सौंपी थी और जंतर-मंतर पर तैनात दिल्ली पुलिस के जवानों, सेना और अर्धसैनिक बलों पर पेट्रोल बम से हमला करने के निर्देश दिए थे। जंतर-मंतर से ही एक हैंडलर ने सीधे पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं को फोन भी किया था। उक्त सूचना के बाद स्पेशल सेल की एक टीम फिलहाल अमृतसर में डेरा डाले हुए है।

सेल की टीम नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से लेकर जंतर-मंतर तक के सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगाल जांच में जुटी हुई हैं, ताकि आतंकियों और यूपी के संदिग्ध हैंडलर के दावों की पुष्टि की जा सके। पुलिस आतंकियों की गतिविधियों, उत्तर प्रदेश के संदिग्ध संपर्क, जंतर-मंतर पहुंचने के रूट तथा अन्य फोरेंसिक व तकनीकी साक्ष्यों को जुटाने में पंजाब पुलिस के साथ मिलकर काम कर रही है।

पटना, कलकत्ता, बॉम्बे व पंजाब को नये मुख्य न्यायाधीश मिलेंगे

नई दिल्ली, 09 अगस्त। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने पटना, कलकत्ता, बॉम्बे और पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों के पद के लिए चार न्यायाधीशों की नियुक्ति की सिफारिश की है।

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर जारी बयान में कहा गया, "6 अगस्त 2026 को हुई सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम की

■ भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने सिफारिश की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

धार में गुजरात के श्रद्धालुओं की बस दुर्घटनाग्रस्त, 6 की मौत

धार, 09 अगस्त। मध्य प्रदेश के धार जिले में बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर रविवार दोपहर भीषण हादसे में गुजरात के छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई। सभी श्रद्धालु मारुति ईको वैन में

■ बड़ोदरा के श्रद्धालु महाकाल के दर्शन करके लौट रहे थे, जब गलत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित ट्रोले ने सामने से वैन को जोरदार टक्कर मारी।

सवार होकर उज्जैन में महाकाल के दर्शन करने के बाद गुजरात लौट रहे थे। रास्ते में उनकी वैन को गलत दिशा से आ रहे अनियंत्रित ट्रॉले ने जोरदार टक्कर मार दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)